# म्हारे होली खेलन आइये

हो म्हारे होली खेलन आइये हो कृष्ण गोपाला ॥

बागों में तेरी राह देखुगी ॥
तू मतना बाँट दिखाइये, हो कृष्ण गोपाला ॥
हो म्हारे .....

चुपके -॥ चाला आइये ॥
मत साथ किसेन लाइये, हो कृष्ण गोपाला ॥
हो म्हारे .....

दूध मलाई मैं दूंगी पीवण न ॥
हो तू माखन मिश्री खाइये हो , कृष्ण गोपाला ॥
हो म्हारे .....

मैं काहना तेरे रंग मसलुंगी ॥
तू गुलाल लगाइये, हो कृष्ण गोपाला॥
हो म्हारे.....

घर-घर के माह ख़ुशी हो मनावा॥
देशी का पकवान बनावा॥
तू आके भोग लगाइये, हो कृष्ण गोपाला ॥
हो म्हारे .....

तेरे प्यार की या राधा प्यासी ॥
तू आके दर्श दिखाइये , हो कृष्ण गोपाला ॥

कह मुरारी तेरे हो नाम का ॥
हो दर्श करा दे सुरग दाम का ॥
तू आके रास रचाइये, हो कृष्ण गोपाला ॥
हो म्हारे होली खेलन आइये हो कृष्ण गोपाला -॥

स्वर - कौशिक

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2700/title/mhare-holi-khelan-aaiye-ho-krishan-gopala

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |